शिक्षा का अधिकार

समग्र शिक्षा
सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

NIPUN BHARAT

मिशन प्रेरणा

FLN Register

Class 4 & 5

U-DISE Code -

प्राथमिक/ उच्च प्राथमिक/ कम्पोजिट विद्यालय .....

ग्राम पंचायत ..... न्याय पंचायत .....

विकास खण्ड ..... जनपद .....

https://mywebpathshala.com/

एक नज़र FLN कार्यक्रम के बारे में....

FLN यानि **Foundational Literacy and Numeracy** (बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता)। **बेसिक शिक्षा विभाग**, उत्तर प्रदेश और **प्रथम** संस्था द्वारा सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 4 व 5 के लिए ' निपुण भारत मिशन ' के अंतर्गत FLN कार्यक्रम का आयोजन कमाल (**CAMaL** - Combined Activities for Maximized Learning) अर्थात Teaching at the Right Level पद्धति पर आधारित है। बेसिक शिक्षा विभाग में कक्षा 4 व 5 के लिए FLN कार्यक्रम चलाकर एक नई पहल की है, जिसमें कक्षा 4 व 5 के ऐसे बच्चे शामिल होंगे जिनका शैक्षिक स्तर उनकी कक्षा के अनुरूप नहीं है।

http://ebpathshala.com/

FLN कार्यक्रम के उद्देश्य....

FLN कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कक्षा 4 व 5 के वे बच्चे जिनका शैक्षिक स्तर उनकी कक्षा अनुरूप नहीं है उनमें आधारभूत कौशल जैसे- मौखिक अभिव्यक्ति, पठन कौशल, शब्दकोश, लेखन कौशल, संख्या ज्ञान को विकसित करना तथा शैक्षणिक वर्ष के अंत तक पढ़ने-लिखने व गणित करने की मूलभूत दक्षता को मजबूत करना। FLN के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निम्नलिखित उपाय किये जा सकते है -

- खेल- कूद और गतिविधि आधारित शिक्षाशास्त्र को दैनिक शिक्षण योजना में शामिल करके, बच्चों को पढ़ाना।
- बच्चों को दैनिक जीवन की परिस्थितियों से जोड़कर पढ़ाना।
- कविता और कहानी के माध्यम से कक्षा का माहौल सहज करना।
- बच्चे की घरेलू भाषा को औपचारिक भाषा के रूप में कक्षा में मान्यता देना और इस तरह एक समावेशी कक्षा का वातावरण सुनिश्चित करना।
- गतिविधि के माध्यम से बच्चों में कौशल विकास करना।
- बच्चों को High Yielding Teaching Learning Material से समझाना, जिससे विषय पर उनकी समझ मजबूत हो।
- शिक्षण सामग्री बच्चों के समझने योग्य और उनकी मातृभाषा में उपलब्ध हो।

https://mywebpathshala.com/

FLN कार्यक्रम की आवश्यकता….

- कोविड-19 महामारी के कारण लगभग डेढ़ वर्ष तक विद्यालय बंद रहे। जिन बच्चों के पास नियमित टेक्नोलॉजी नहीं थी, उन्हें सबसे अधिक नुकसान हुआ। जो बच्चें वर्तमान में कक्षा 4 & 5 में है उन्होंने, उचित स्कूली शिक्षा के केवल 1-2 वर्ष ही पूरे किए हैं ।
- कक्षाएं सुचारू रूप से नहीं चल पाईं हैं, बहुत से बच्चों की पढ़ाई रूक गई है ।
- प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चों को शिक्षकों का पर्याप्त सहयोग व निर्देशन नहीं मिल पाया, जिनकी उन्हें ज़्यादा आवश्यकता होती है ।
- बच्चों ने जो पूर्व में जो दक्षताएं और कौशल प्राप्त किए थे, वे उनको भूल गए हैं।
- बच्चों में उनकी उम्र और कक्षा के अनुसार जो दक्षताएं होनी चाहिए, वे उनमें नहीं आ पाईं हैं ।
- बच्चों का सामाजिक और भावनात्मक नुकसान हुआ है और वे अपनी भावनाओं एवं मनोभावों को व्यक्त करने में असमर्थ होते जा रहे हैं।

https://mywebpathshala.com/

कार्यक्रम के संचालन से पूर्व की तैयारी....

FLN कार्यक्रम के संचालन से पूर्व बच्चों को उनके स्तर अनुसार बेसिक और एडवांस स्तर में बाँटना जरूरी है। ' **प्रथम** ' का विश्वास है कि बच्चों के साथ पढ़ने- पढ़ाने की गतिविधियों उनके स्तर के अनुसार की जाए की जाए तो बच्चों में प्रगति तेजी से होती है।

बेसिक व एडवांस स्तर के समूह विभाजन का तरीका....

1) भाषा के लिए समूह बनाना:

प्रत्येक बच्चे को सरल अनुच्छेद पढ़ने को देंगे, यदि बच्चा दिए गए अनुच्छेद को अच्छी तरह बिना अटके पढ़ता है तो बच्चा एडवांस स्तर का होगा। यदि बच्चा अनुच्छेद को अटक- अटक कर पढ़ता है तो वह बेसिक स्तर का होगा।

अनुच्छेद 1:	**अनुच्छेद 2:**
राधा के पास एक तोता है। उसकी चोंच लाल है। वह बहुत बोलता है। सबको हँसाता है।	नीतू के घर में गाय है। उसका रंग सफेद है। गाय हरी घास खाती है। वह बहुत दुध देती है।

2) गणित के लिए समूह बनाना:

भाषा के समूह के आधार पर ही गणित में भी बच्चों का बेसिक व एडवांस स्तर का समूह बनेगा ।

https://mywebpathshala.com/

भाषा व गणित के लिए बेसिक व एडवांस स्तर के समूह विभाजन

क्रम संख्या	बेसिक स्तर के बच्चें	एडवांस स्तर के बच्चें

https://mywebpathshala.com/

भाषा के लक्ष्य एवं 24 सप्ताह की कार्ययोजना की संरचना....

भाषा में 24 सप्ताह की कार्ययोजना को एवं एडवांस स्तर के लिए 6 - 6 भागों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक भाग में 1 लक्ष्य आधारित गतिविधियों को शामिल किया गया है जिसकी सूची इस प्रकार है।

बेसिक स्तर के लक्ष्य

1.	1–4	आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें।	1–4
2.	5–8	आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे बातचीत कर सकें।	5–8
3.	9–12	अधिकांश बच्चे अक्षर को समझ के साथ पहचान सकें।	9–12
4.	13–16	बच्चे ध्वनि व चिह्नों को पहचान सकें और आसान शब्द पढ़ व बना सकें।	13–16
5.	17–20	अधिकांश बच्चे अनुच्छेद और छोटी कहानी (5–6 लाइन) को समझ के साथ पढ़ सकें।	17–20
6.	21–24	अधिकांश बच्चे अपने विचारों को लिखित रूप में व्यक्त कर सकें। कोई भी चित्र बनाकर उसका नाम व उसके बारे में कुछ वाक्य लिख सकें।	21–24

एडवांस स्तर के लक्ष्य

7	1–4	कहानी, विषय, घटना, चित्र, पात्र एवं शीर्षक पर बातचीत कर सकें, घर की भाषा के साथ–साथ विद्यालय की भाषा में तर्क–वितर्क कर सकें।	25–28
8.	5–8	किसी कहानी को समझ के साथ पढ़ सकें और अपने अनुभव को जोड़ते हुए अभिव्यक्त कर सकें।	29–32
9.	9–12	नई कहानी को पढ़कर, उस में आए नए शब्दों को समझते हुए विश्लेषणात्मक रूप से समझ बना सकें।	33–36
10.	13–16	पाठ्य पुस्तक के अपरिचित शब्दों के अर्थों को ढूँढ सकें एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकें। मुहावरों व कहावतों को भी समझ सकें।	37–40
11.	17–20	परिचित पाठ, पात्रों, शीर्षक, घटना एवं चित्र पर अपने अनुभव को जोड़ते हुए समझ के साथ लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें।	41–44
12.	21–24	विभिन्न परिस्थितियों और उद्देश्य (कविता, चित्र कार्ड, कहानी आदि) के अनुसार अपने विचारों को लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकें एवं समीक्षा कर उसमे सुधार कर सकें।	45–48

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ पहले सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : आत्मविश्वास के साथ अधिकांश बच्चे गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें।

सप्ताह–1

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
सीखने की तैयारी के लिए गतिविधि	15 मिनट	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** मेरी बिल्ली काली पीली एक लोटा पानी से हो गई गीली आक्छीं, आक्छीं लगी छींकने मैं तो बोला कुछ तो सीख बिना रुमाल कभी न छींक।	**गतिविधि करें।** सामग्री: कागज की गेंद। सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हों। एक बच्चा बीच में खड़ा होगा। गोले में खड़ा बच्चा एक–एक करके बीच में खड़े बच्चे के पैरों पर निशाना लगाए। बीच वाले बच्चे को गेंद से बचने के लिए इधर–उधर भागना है। अगर गेंद उनके पैरों में लगी तो वे खेल से बाहर हो जाएँगे। इस तरह हर बच्चा बारी–बारी से बीच में आकर खेले।	**बच्चों के साथ हाव–भाव से कविता गाएँ।** मोर है मेरा नाम रे ....2, जंगल मेरा धाम रे ....2, वर्षा मुझको लगती है प्यारी..2 नहीं सुहाता घाम रे ...2 मोर है मेरा नाम रे 2	**गतिविधि करें।** मेंढक की तरह कूदने के लिए पंजों के बल बैठकर दोनों हाथ जमीन पर सामने रखें और फिर छलाँग लगाएँ। छलाँग लगाते वक्त पहले हाथ उठाकर आगे रखें। बाद में शरीर को उठाकर हाथों के बाहरी तरफ पैर रखें। इसी तरह हर बच्चे से उछल–उछल कर मेंढक की तरह कूदने के लिए कहें।	**गतिविधि करें।** सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हो जाएँ। आप घेरे के बीच में खड़े होकर बोलें, "फायर इन द माऊनटेन।" बच्चे बोलें, "रन–रन–रन।" जितनी तेजी से आप बोलें, उतनी ही तेजी से बच्चे रन–रन बोलते हुए दौड़ें। आप जितने धीमे बोलें बच्चे भी उतने ही धीमे दौड़ें।	पुनरावृत्ति और रोल प्ले एवं चित्र कला
बातचीत	10 मिनट	बच्चों से साफ–सफाई से सम्बंधित विषय पर बातचीत करें कि साफ–सफाई क्यों जरूरी है? बच्चों को ज्यादा से ज्यादा बोलने का मौका दें।	बच्चों से घर विषय पर बातचीत करें। बच्चों को ज्यादा से ज्यादा बोलने का मौका दें।	बच्चों से बातचीत करें और उन्हें अपने दोस्त के बारे में बताने को कहें। उनके कौन और कितने दोस्त हैं? उनके नाम क्या हैं? आदि।	बच्चों से पूछें कि आज स्कूल आते समय उन्होंने क्या–क्या देखा। बारी–बारी सभी बच्चों को बताने के लिए कहें।	पाठ्य–पुस्तक में दिए गए चित्र पर बातचीत करें जैसे चित्र में क्या–क्या दिख रहा है? उनके नाम क्या हैं?। बच्चों को बोलने का मौका दें।	
कहानी / पढ़ना सम्बंधित गतिविधियाँ	20 मिनट	**रमन की पतंग** नामक कहानी हाव–भाव से सुनाएँ और कहानी पर चर्चा करें। कहानी में कौन–कौन था? कहानी में क्या हुआ आदि प्रश्न पूछें।	कल पढ़ी गई कहानी को पुनः पढ़कर सुनाएँ। बच्चों को अपने शब्दों में कहानी बताने के लिए प्रेरित करें।	कक्षा के अन्य बच्चों को कहानी अपने शब्दों में बताने को कहें।	कहानी **बर्फ या बादल** हाव–भाव से सुनाएँ। कहानी सुनाने के बाद कहानी पर चर्चा करें। कहानी किसके बारे में है, कहानी में कौन–कौन हैं, आदि।	कहानी **बर्फ और बादल** पुनः पढ़कर सुनाएँ। कुछ बच्चों से कहानी अपने शब्दों में सुनाने को कहें।	
ध्वनि चेतना	05 मिनट	**आवाज़ों से खेलना** आवाजों को अलग–अलग करके बोलें। जैसे : मेला : मे ला घर : घ र रमन : र म न छोटे : छो टे	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को अलग–अलग करने के लिए कहें। जैसे : किला : कि ला पानी : पा नी नल : न ल कल : क ल	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें. जैसे :रो टी : रोटी पा नी : पानी आ टा : आटा खु श : खुश मै दा न – मैदान	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की ध्वनियों को अलग–अलग करें। जैसे : बादल : बा द ल आकाश : आ का श दिन : दि न शाम : शा म पूछा : पू छा	**आवाज़ों से खेलना** कुछ परिचित शब्दों की अलग–अलग ध्वनियों को बोलें और उन ध्वनियों को एक साथ बोलने को कहें, जैसे – बा द ल – बादल अ ल ग – अलग आ र ती – आरती बा रि श – बारिश	
लेखन	10 मिनट	**पतंग** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो बनाएँ उसके बारे में पूछें कि उन्होंने क्या बनाया है? बच्चों से चित्र में रंग भरने के लिए भी कहें।	**बगीचा** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चे जो भी चित्र बनाएँ उन्हें शाबाशी दें और उनसे यह जरूर पूछें कि उन्होंने क्या–क्या बनाया है?	**मेला** विषय पर बच्चों से चर्चा करें एवं उससे सम्बंधित चित्र बनाने को कहें। बच्चों से यह भी पूछें कि मेला में क्या–क्या मिलता है? और उन्हें क्या–क्या पसंद है? बच्चों को बोलने के लिए प्रेरित करें।	बच्चों से अपने मनपसंद फल का चित्र बनाने एवं उसका नाम लिखने के लिए कहें। बच्चों से उस फल के बारे में बताने के लिए बोलें। जैसे : यह फल उन्हें क्यों पसन्द है? आदि।	बच्चों से अपने मनपसंद फूल का चित्र बनाने एवं उसका नाम लिखने के लिए कहें। बच्चों का समूह बनाएँ और अगले दिन कहानी पर रोल प्ले प्रस्तुत करने को कहें।	

गणित के लक्ष्य एवं 24 सप्ताह की कार्ययोजना की संरचना....

गणित में 24 सप्ताह की कार्ययोजना को एवं एडवांस स्तर के लिए 6 - 6 भागों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक भाग में 1 लक्ष्य आधारित गतिविधियों को शामिल किया गया है जिसकी सूची इस प्रकार है।

बेसिक स्तर के लक्ष्य

1.	1–4	बच्चे संख्या पूर्व गणितीय अवधारणाओं को समझ पाएँगे।	1–4
2.	5–8	बच्चे संख्याओं और मौलिक संक्रियाओं की अवधारणाओं पर बातचीत कर पाएँगे।	5–8
3.	9–12	बच्चे 1–20 तक की संख्याओं की पहचान कर पाएँगे।	9–12
4.	13–16	बच्चे 1–20 तक की संख्याओं में जोड़ व घटाव कर पाएँगे।	13–16
5.	17–20	बच्चे 1–100 तक की संख्याओं की पहचान कर पाएँगे।	17–20
6.	21–24	बच्चे 1–100 तक की संख्याओं में जोड़ व घटाव के शाब्दिक सवालों को हल कर पाएँगे।	21–24

एडवांस स्तर के लक्ष्य

7.	1–4	बच्चे संख्याओं और संक्रियाओं की अवधारणाओं पर बातचीत कर पाएँगे।	25–28
8.	5–8	बच्चे 999 तक की संख्याओं की पहचान कर पाएँगे।	29–32
9.	9–12	बच्चे अनुमान और मापन तथा आकृतियों के बारे में बता पाएँगे।	33–36
10.	13–16	बच्चे 999 तक की संख्याओं में हासिल वाले जोड़ के शाब्दिक सवाल हल कर पाएँगे।	37–40
11.	17–20	बच्चे 999 तक की संख्याओं में हासिल वाले घटाव के शाब्दिक सवाल हल कर पाएँगे।	41–44
12.	21–24	बच्चे 3 अंकों वाली संख्याओं में 2 अंकों वाली संख्याओं से गुणा एवं भाग के शाब्दिक सवालों को हल कर पाएँगे।	45–48

बेसिक स्तर के बच्चों के साथ पहले सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियाँ

लक्ष्य : बच्चे संख्या पूर्व गणितीय अवधारणाओं को समझ पाएँगे।

सप्ताह–1

विषय वस्तु	समय	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
संख्या पूर्व गणितीय अवधारणाओं से परिचय	20 मिनट	कक्षा के सभी बच्चों को कतार में खड़ा करें। अब बारी–बारी दो बच्चों में तुलना करते हुए पूछें कि इन दोनों में कौन बड़ा है और कौन छोटा? इसके बाद कक्षा में मौजूद चीज़ों की तुलना करें क्या बड़ा और क्या छोटा, इसके बारे में बताने को कहें जैसे–टेबल बड़ी है या कुर्सी छोटी।	घर में दिखने वाली वस्तुओं के बारे में बताने को कहें कि क्या बड़ा है क्या छोटा? जैसे – बाल्टी बड़ी और गिलास छोटा। रोटी की तरह गोल दिखने वाली वस्तुओं का नाम बताने को कहें।	बच्चों से कक्षा में उपलब्ध गणित किट/पोस्टर/वस्तुओं के माध्यम से बताने को कहें कि क्या मोटा और क्या पतला? जैसे– गिलास मोटा और चम्मच पतला। बच्चों से कॉपी में गोल आकृति बनाने को कहें।	बच्चों से कक्षा में उपलब्ध गणित किट/पोस्टर/वस्तुओं के माध्यम से बताने को कहें कि क्या पतला और क्या मोटा है? जैसे– पोस्टर के माध्यम से करेला मोटा है और भिंडी पतली। बच्चों से कक्षा में चौकोर दिखने वाली वस्तुओं का नाम बताने को कहें।	बड़े समूह में बच्चों से कक्षा में उपलब्ध वस्तुओं के माध्यम से दूर–पास के बारे में पूछें। बच्चों से कक्षा में चौकोर दिखने वाली वस्तुओं का नाम बताने को कहें।	पुनरावृत्ति
गणितीय बातचीत	10 मिनट	कक्षा में उपलब्ध संसाधनों पर संख्या आधारित चर्चा करें। जैसे – कक्षा में कितनी खिड़कियाँ हैं? कितने बच्चे हैं? किसकी संख्या सबसे अधिक है? किसकी संख्या सबसे कम है? कितनी अधिक है? कितनी कम है? आपने कैसे पता किया कि कितना अधिक है या कितना कम?	परिवार में सदस्यों की उपलब्धता पर संख्या आधारित चर्चा करें। जैसे– आपके घर में कुल कितने सदस्य हैं?, आपके दोस्त के घर में कुल कितने सदस्य हैं?, किसके घर में ज्यादा सदस्य हैं?	बच्चों से पूछें कि हम कैलेंडर का इस्तेमाल किन–किन कामों में करते हैं? कैसे करते हैं? बच्चों के जवाब के अनुसार चर्चा को आगे बढ़ाएँ।	बच्चों से कैलेंडर पर चर्चा करें, जैसे – एक सप्ताह में कितने दिन होते हैं। सप्ताह के दिनों के नाम बताएँ। बच्चों के जवाब के अनुसार चर्चा को आगे बढ़ाएँ।	बच्चों से पूछें कि घड़ी का इस्तेमाल किसलिए करते हैं? घड़ी में कितनी सुइयाँ होती हैं? इन सुइयों को किन–किन नामों से बुलाते हैं? एक घंटे में कितने मिनट होते हैं? मिनट बड़ा होता है या घंटा? कैसे? आदि।	पुनरावृत्ति
संख्या पहचान	15 मिनट	बच्चों से पूछें आज कितने बच्चों ने लाल रंग और कितने बच्चों ने हरे रंग के कपड़े पहने है? अब बच्चों को उनके द्वारा बताए गए अंक के बराबर तीलियाँ गिनकर लेने को कहें और उन अंको को फ़्लैश कार्ड में दिखाएँ। इसके बाद उन अंको को संख्या चार्ट में ढूँढकर लिखने के लिए कहें।	बच्चे अपने आस–पास तीन की संख्या में दिखने वाली वस्तुओं के नाम बताएँ। जैसे – रिक्शा के पहिए तीन, पंखे की पत्तियाँ तीन आदि। इसी तरह चार, पाँच आदि संख्या में दिखने वाली वस्तुओं के बारे में भी पूछें। तीली की सहायता से 1–9 तक गिनने, फ़्लैश कार्ड में उसे दिखाने और चार्ट में ढूँढकर लिखने को कहें।	बड़े समूह में 1–9 तक का संख्या चार्ट वाचन कराने के बाद छोटे समूह में भी कराएँ। इसे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर की ओर गिनती करने को कहें। समूह के सभी बच्चे बारी–बारी पढ़ें और उस दौरान समूह के अन्य बच्चे देखें और एक–दूसरे की मदद करें।	बच्चों को गोल घेरे में खड़े होने को कहें। आप ताली बजाते जाएँ और बच्चे अपने एक हाथ को आगे करके उल्टा–सीधा करते जाएँ। जैसे ही आप ताली बंद करेंगे सभी बच्चे रुक जाएँगे। किसी बच्चे को बुलाकर सीधे हाथ को गिनती करने को कहें। किसी दूसरे बच्चे से उल्टे हाथ को गिनती करने को कहें।	बच्चों को गोल घेरे में घूमने को कहें। उन्हें निर्देश दें कि जब मैं बोलूँ बैठ जाइए तो खड़े हो जाना है और जब बोलूँ खड़े हो जाइए तो बैठ जाना है। हर बार खड़े हुए और बैठे हुए बच्चों की गिनती करवाएँ। छोटे समूह में 1–9 तक का संख्या चार्ट वाचन करने को दें।	पुनरावृत्ति
मौलिक/ मूलभूत संक्रियाएँ (जोड़ व घटाव)	15 मिनट	जोड़ व घटाव के एक अंकीय कम से कम 3 शाब्दिक सवालों पर मौखिक बातचीत करें। जैसे– रमन के पास 3 पेंसिल हैं। रीता ने उसे 2 पेंसिल और दे दीं। बताएँ, रमन के पास अब कितनी पेंसिल हो गईं?	जोड़ व घटाव के एक अंकीय कम से कम 3 शाब्दिक सवालों पर मौखिक बातचीत करें। जैसे– कपिल के पास 8 आम हैं। उसने उनमें से 3 आम खा लिए। बताएँ, कपिल के पास अब कितने आम हैं?	जोड़ व घटाव के एक अंकीय कम से कम 2 शाब्दिक सवालों पर मौखिक बातचीत के बाद जोड़ के 1 सवाल को मूर्त वस्तुओं की सहायता से हल करके बताएँ। जैसे– करीम ने 5 टॉफ़िया ख़रीदी। उसे उसके पापा ने 4 टॉफ़िया और दे दीं। बताएँ, करीम के पास अब कितनी टॉफ़ियाँ हैं?	जोड़ व घटाव के एक अंकीय कम से कम 2 शाब्दिक सवालों पर मौखिक बातचीत के बाद जोड़ के 1 सवाल को मूर्त वस्तुओं की सहायता से हल करके बताएँ। जैसे– माला के पास 3 सेब हैं। शेखू ने उसे 5 सेब और दे दिए। बताएँ, माला के पास अब कितने सेब हो गए?	जोड़ व घटाव के एक अंकीय कम से कम 2 शाब्दिक सवालों पर मौखिक बातचीत के बाद घटाव के 1 सवाल को मूर्त वस्तुओं की सहायता से हल करके बताएँ। जैसे– जोजफ के पास 9 रुपये हैं। उसने उसमें से 3 रुपये ख़र्च कर दिए। बताइए, जोज़फ के पास अब कितने रुपये हैं?	पुनरावृत्ति